विश्व न्याय मन्दिर

यह महत्वपूर्ण है कि जब एक विकास कार्यक्रम अस्तित्व में लाया जा रहा होता है, तब अस्तित्व में आने वाली एक सामुदायिक चेतना, घटनाओं की दिशा पर अपना प्रभाव डालने लगती है। चाहे गतिविधियाँ पूरे क्लस्टर में फैली हुई हों या किसी एक गाँव या मोहल्ले में केन्द्रित हों, हर हाल में एक सामूहिक उद्देश्य का बोध मित्रों के प्रयासों की विशेषता होता है। इस चेतना के आरम्भिक प्रदर्शन का माध्यम बनने वाले व्यवस्थापन का स्तर कुछ भी रहा हो, लेकिन मूल गतिविधियों की सुनियोजित, समन्वित वृद्धि यह अनिवार्य बना देती है कि शीघ्र ही और भी ऊँचे स्तर प्राप्त कर लिये जाए।

–28 दिसम्बर 2010

मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा

(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO New Delhi on 10/11.09. 2021

Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

वर्ष : 57 अंक 09 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख

सितम्बर 2021 बहाई वर्ष : 177–78

झारखण्ड में संचालित गतिविधियाँ

• जमशेदपुर बहाई केंद्र में राज्य स्तर पर तीन दिवसीय किशोर पुस्तक की नई श्रृंखला "आंनद का स्रोत" का अध्ययन 12 से 15 जुलाई 2021 तक किया गया, जिसमें सम्पूर्ण राज्य से 26 अनुप्रेरकों ने भाग लिया। यह पुस्तक पढ़ने और समझने के मूलभूत कौशल को मजबूत बनाने और सटीकता तथा स्पष्टता से विचार को अभिव्यक्त करने से जुड़े सामर्थ्यों का कुछ स्तर तक विकास करने में मदद करती है। इस पुस्तक में कुल दस पाठ का अध्ययन किया गया। प्रत्येक में पढ़ने की सामग्री और अभ्यास है। यह पुस्तक हमें **सॉ तू** की कहानी बताती है जो एक बारह साल का शरणार्थी है और एक नये देश में जीवन जीने का प्रयास करता है। हालाँकि कहानी के प्रारंभ में वह कठिनाइयों का सामना करता है, लेकिन धीरे–धीरे वह पहचानने लगता है कि सच्चे आंनद का स्रोत कहाँ है। साथ ही, यह पुस्तक हमें सामंजस्य और लाभप्रद जीवन जीने के अर्थों को भी बताती है। इस पुस्तक को मित्रों ने बड़ी उत्साह के साथ पूर्ण किया।

• जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में पुस्तक–8 की प्रथम इकाई का अभियान 20 से 25 जुलाई 2021 तक एवं सिल्ली, गोला, चास एवं चंदनकियारी क्लस्टर के लगभग 28 मित्रों के साथ पुस्तक एक (दिव्य जीवन एक चिंतन) एवं पुस्तक तीन (बच्चो की कक्षाएँ ग्रेड–1) का अध्ययन कोटशिला बहाई केंद्र में 17 से 22 जुलाई 2021 तक संपन्न हुआ। पुस्तक–8 का अध्ययन करने के उपरांत मित्रगण बहाउल्लाह की संविदा की शक्ति से परिचित हुए। इस पुस्तक को बड़ी संख्याओं में करने का विशेष उद्देश्य यह है कि कैसे आगामी अब्दुल बहा की स्वर्गारोहण की शताब्दी तक बड़ी संख्या में मित्रों को संविदा में दृढ़ करना है। पुस्तक से मित्रों ने बहाई इतिहास की कुछ घटनाओं को जाना कि कैसे समय–समय पर घोर संकट उत्पन्न हुए बहाउल्लाह और अब्दुल बहा के सामने और कैसे उन्होंने उन कठिनाइयों को पार करते हुए उन पर विजयी पायी। पुस्तक की समाप्ति पर मित्रों ने अपनी भावनायें साझा की कि इस पुस्तक के अध्ययन के बाद उनकी आस्था बहाउल्लाह में और

शेष पृष्ठ 2 पर



पुस्तक–1 और 3 का अध्ययन करने वाले प्रतिभागी

इस अंक में

- झारखण्ड में संचालित गतिविधियाँ 1
- मध्य प्रदेश की गतिविधियाँ 1
- देवलाली में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम 2
- समाचारचित्र 2
- जून 2021 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े 3
- नव प्रकाशित पुस्तकें 3
- अब्दुल बहा के स्वर्गारोहण की शताब्दी के अवसर पर प्रेरणात्मक कहानी 4
- बहाई विश्व केन्द्र में सेवा के अवसर 4
- गुरुग्राम में किशोर पुस्तक का अध्ययन 4

मध्य प्रदेश की गतिविधियाँ

• सोसाइटी ऑफ युनिवर्सल लर्नर (सोल) के सहयोग व मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के सामुदायिक विद्यालयों के शिक्षक एवं ट्यूटोरियल क्लासेस के शिक्षकों की ऑनलाइन ट्रेनिंग/रिफ्रेशर की समाप्ति के साथ सामुदायिक विद्यालय चकगाँव (सुसेरा) में क्लस्टर की सभी संस्थाओं व एजेंसियों की उपस्थिति में शिक्षक बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें कई अन्य विषयों के साथ निम्न बिंदुओं पर प्रमुख रूप से चर्चा की गई –

(1) अपने प्रयासों को नियमित एवं व्यवस्थित करने के क्या–क्या तरीके हो सकते हैं ?

(2) इन प्रयासों में अधिकाधिक बच्चे कैसे शामिल हो सकते हैं ?

(3) विद्यालय एवं ट्यूटोरियल कक्षाओं को अनुशासित रूप से संचालित करने के लिए छात्रों तथा शिक्षकों के लिए कौन–कौन से नियम लागू किये जा सकते हैं ?

(4) स्कूली पाठ्यक्रम एवं आध्यात्मिक कक्षा के पाठ्यक्रमों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या उपाय किये जा सकते हैं, जिससे कोई भी बच्चा शैक्षणिक गतिविधियों से वंचित न होने पाए।

(5) पाठ्यक्रम की अवधारणाओं को समझ के साथ सीखने के तरीकों को परामर्श एवं उसे प्रत्येक शिक्षक कैसे उपयोग करे, पाठ्य योजना बनाना, पाठों की तैयारी, शिक्षण सामग्री का उपयोग, वर्ग से बाहर स्थानीय परिवेश द्वारा शिक्षण की प्रणाली द्वारा सीखना आदि।

(6) नियमित शिक्षक बैठक एवं अभिभावकों की बैठकों का आयोजन, गृहभ्रमण जिसमें अनुभव, उपलब्धि तथा चुनीतियों पर परामर्श, समीक्षा तथा आगे की योजना बनाना।

(7) शिक्षकों के लिए मासिक योजना बनाकर पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करना।

(8) स्थानीय संस्थाओं एवं एजेंसियो के साथ तालमेल स्थापित कर विकास योजना में योगदान देना।



मध्य प्रदेश में आयोजित शिक्षक बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

(9) छात्रों को सक्रिय कर सीखने में मदद करने के रोचक तरीकों का प्रयोग करना।

परामर्श के दौरान शिक्षकों ने इन बिंदुओं के तरीके लिखते हुए अपनी–अपनी एक माह की पाठ योजना बनाई और अभी से अभिभावकों की बैठक की तारीख भी निर्धारित की। क्या–क्या उपलब्धियाँ प्राप्त कीं तथा क्या चुनौतियाँ रहीं इस विषय पर चर्चा अब अगली बैठक में होगी।

• प्रशिक्षण संस्थान मण्डल मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ प्रदेश के सुसैरा

शेष पृष्ठ 3 पर

देवलाली में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

महाराष्ट्र में, नाशिक के देवलाली में स्थानीय आध्यात्मिक सभा की ओर से महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन 21 अगस्त, 2021 को किया गया। इस कार्यक्रम में 66 प्रतिभागी शामिल हुए, इनमें 28 गावों के सरपंच, 7 आशा वर्कर, 8 डॉक्टर, 7 शिक्षक, 6 नर्स, 2 प्रिंसिपल, 2 संस्थाओं के सदस्य और महाराष्ट्र के बाल विकास मंत्री शामिल थे।

कार्यक्रम के तीन विषय थे – स्त्री–पुरुष समानता, परिवारों का स्वास्थ और प्रिय मास्टर के स्वर्गारोहण के सौ वर्ष।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थनाओं से हुई। बाल विकास मंत्री द्वारा स्त्री–पुरुष समानता के ऊपर कुछ कथन कहे गए। उसके बाद नाशिक के सहायक मंडल सदस्य द्वारा सभी का प्रत्यक्ष शिक्षण किया गया, उसी तरह प्रिय मास्टर के स्वर्गारोहण के सौ वर्ष के बारे में सभी को बताया गया और प्रिय मास्टर के व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में महिलाओं की संख्या प्रभावित करने वाली थी। स्त्री–पुरुष समानता पर कुछ महिला सरपंचो ने अपने विचार व्यक्त किये।

बहाई समुदाय की ओर से सभी प्रतिभागियों को दुनिया के उत्थान के लिए पुस्तकें, प्रिय अब्दुल बहा की कहानियां और प्रार्थनायें भेंट की गईं।



देवलाली में आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

झारखण्ड में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

दृढ़ हुई है और अब हमारा कर्तव्य बनता है कि कैसे हम इन सीखों एवं जानकारियों को अपने समुदाय के अन्य मित्रों के साथ साझा करें।



पुस्तक–8 का अध्ययन करने वाले मित्रगण

अध्ययन के तुरंत बाद 20 मित्रों ने लगभग 180 मित्रों के साथ अपना–अपना एक अध्ययनवृत्त समूह शुरू करने की योजना तैयार की। पुस्तक एक और तीन के प्रतिभागियों ने विभिन्न अवधारणाओं जैसे–बहाई लेखों से परिचय, प्रार्थना का महत्व, जीवन और मृत्यु एवं पुस्तक तीन से बहाई शिक्षा के कुछ सिद्धांत जैसी अवधारणाओं से परिचित हुए। मित्रों को सर्वाधिक आकर्षित इकाई प्रार्थना और बच्चों की शिक्षाओं वाली लगी। मित्रों ने खुल कर अपनी जिज्ञासा को व्यक्त किया और परामर्श के आधार पर उसका निष्कर्ष निकाला गया। इस बीच, मित्रों ने लगभग दो प्रार्थनाएँ भी याद कीं। अध्ययन का उत्साह बनाये रखने के लिए गीत–संगीत की भी प्रस्तुति की गई।

समाचारचित्र



जैसे–जैसे अब्दुल–बहा के स्वर्गारोहण की शताब्दी के नजदीक पहुंच रहे हैं, दिल्ली की स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने अब्दुल–बहा की कहानियों पर लघु वीडियो बनाना शुरू कर दिया है, जिन्हें उन्नीस दिवसीय सहभोज सभा में जारी किया गया। ये वीडियो परिवारों के समूहों के साथ भक्तिपरक बैठक में साझा किए जाते हैं। स्थानीय आध्यात्मिक सभा की ओर से बहाई मित्रगण गृहभ्रमण के दौरान नए अनुयायियों को उनके घरों के लिए अब्दुल–बहा का चित्र भी दे रहे हैं।



उत्तर प्रदेश के जसपुरा क्लस्टर के टेढ़ा गांव में स्टडी सर्कल के प्रतिभागियों के घर में भ्रमण किया। साथ ही, उनके माता–पिता के साथ प्रार्थनाएँ कीं और समुचित शिक्षा संबंधित वार्तालाप की। सभी प्रतिभागियों ने रूही संस्थान की पहली और दूसरी पुस्तक का अनुभव साझा किया। इसी बीच, सभी प्रतिभागियों को रूही पुस्तक–3 में आने के लिए प्रोत्साहित किया गया, सभी प्रतिभागी आने के लिए उत्साहित नजर आये।



उत्तर प्रदेश के मुस्करा क्लस्टर में रूही पुस्तक–2 का अध्ययन सम्पन्न हुआ। अध्ययन सम्पन्न होने के बाद सभी प्रतिभागियों ने सभी के साथ अपने–अपने अनुभव साझा किये। उसके उपरान्त इतने दिनों उन्होंने क्या–क्या सीख प्राप्त की और क्या अंतर्दृष्टि मिली, उन पर सभी प्रतिभागियों ने बड़े ही उल्लास के साथ में समूह में चर्चाएं की। रूही संस्थान की तीसरी पुस्तक बच्चों की कथाएँ जल्द ही सभी प्रतिभागियों के साथ प्रारंभ होगी।

जून 2021 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े

क्षेत्रीय/राज्य बहाई परिषद	भक्तिपरक बैठकों की संख्या	भक्तिपरक बैठकों में उपस्थिति	बच्चों की बहाई कक्षाओं की संख्या	बच्चों की बहाई कक्षाओं में उपस्थिति	किशोर समूहों की संख्या	किशोर समूहों में उपस्थिति	स्टडी सर्कल की संख्या	स्टडी सर्कल में उपस्थिति	कुल मूल गतिविधियां	मूल गतिविधियों में कुल उपस्थिति
आंध्र प्रदेश+	237	1156	45	261	19	97	14	31	315	1545
असम+	230	941	42	332	25	168	14	56	311	1497
बिहार	7883	62015	1031	8979	649	6045	280	2059	9843	79098
छत्तीसगढ़	638	3520	70	594	40	268	30	108	778	4490
गुजरात	1104	2568	88	688	55	395	58	390	1305	4041
झारखण्ड	2102	13690	271	2183	162	1190	98	753	2633	17816
कर्नाटक	40	160	13	65	11	74	14	48	78	347
केरल	427	1575	41	239	18	49	42	105	528	1968
मध्य प्रदेश	441	3412	69	959	44	406	33	277	587	5054
महाराष्ट्र+	17113	79548	756	8315	623	5962	290	2068	18782	95893
मणिपुर+	254	772	43	286	22	104	43	153	362	1315
ओडिशा	1215	5121	100	675	57	328	58	248	1430	6372
पंजाब+	510	3185	114	952	122	901	42	157	788	5195
राजस्थान	248	1240	34	220	30	152	26	117	338	1729
सिक्किम+	528	2048	90	573	42	162	44	130	704	2913
तमिलनाडु+	6329	25298	407	3068	301	2151	311	1166	7348	31683
त्रिपुरा	761	3514	73	575	41	242	53	150	928	4481
उत्तर प्रदेश+	34179	253763	3387	26235	2171	17171	1048	8086	40785	305255
पश्चिम बंगाल	14058	94258	1760	12671	1294	9248	758	4904	17870	121081
कुल	**88,297**	**5,57,784**	**8,434**	**67,870**	**5,726**	**45,113**	**3,256**	**21,006**	**1,05,713**	**6,91,773**

आंध्र प्रदेश+ और छत्तीसगढ़ के आंकड़े मार्च 2021 तक के हैं

मध्य प्रदेश की गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

समुदाय के रब्बानी प्रागंण में 15 से 20 अगस्त तक आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश के भोपाल, इन्दौर, नीमच और सुसैरा समुदाय से लगभग 30 से 35 मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सहयोग करने हेतु बंथरा लर्निंग साईट से एक बहाई मित्र शामिल हुए, जिन्होंने पुस्तक की अवधारणाओं को स्पष्ट करने एवं अध्ययन सामग्री को समझने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।



सुसैरा में आयोजित छह दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने वाले मित्रगण

कार्यक्रम के दौरान रूही पुस्तक–5 की पहली शाखा 'समीक्षा के पल' एवं किशोर कार्यक्रम की दूसरी पुस्तक 'आनंद का स्रोत' का प्रशिक्षण किया। इसके साथ ही मित्रों ने प्रशिक्षण संस्थान मण्डल की क्षमता को बढ़ाना प्रपत्र से किशोर कार्यक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण भागों का गहन अध्ययन किया और उसको अपने समुदायों की वास्तविकताओं के सन्दर्भ में पढ़ते हुये योजनाएँ तैयार कीं। मित्रों को सुसैरा क्लस्टर में चल रहे किशोर कार्यक्रमों को दो दिनों के भ्रमण के दौरान उनसे सीखने का अवसर प्राप्त हुआ, जिसमें मित्रों ने 12 किशोर दलों का भ्रमण किया।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के अंतिम दिनों में मित्रों के मनोबल को बढ़ाने हेतु कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर एक गहन सत्र का आयोजन किया गया।

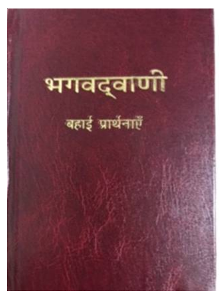
नव प्रकाशित पुस्तकें

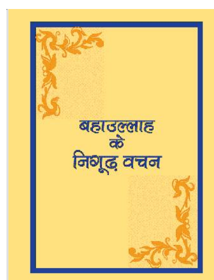
प्रिय मित्रों, हमें आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बहाई लिटरेचर एण्ड पब्लिकेशन ट्रस्ट द्वारा कुछ नई अनुवादित/संशोधित पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं। जिन्हें आप अवश्य अपने पुस्तकालय में शामिल करना चाहेंगे तथा उनका अध्ययन करके आध्यात्मिक रूप से और अधिक सशक्त होंगे। आप हमारी वेबसाइट bahaipublishingtrust.in से इन्हें ऑनलाइन खरीद सकते हैं। पुस्तकों का ऑर्डर फोन पर 91–11–40523382–84, या ईमेल bptindia@ibnc.in पर भी दे सकते हैं।

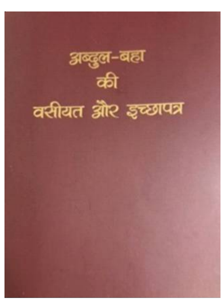
1 भगवद्वाणी प्रार्थनाएँ हार्ड कवर — 75/– रुपये
2 भगवद्वाणी प्रार्थनाएँ सॉफ्ट कवर — 55/– रुपये
3 प्रभु वंदना प्रार्थनाएँ पॉकेट साइज — 11/– रुपये
4 निगूढ़ वचन पॉकेट साइज — 11/– रुपये
5 अब्दुल–बहा की वसीयत और इच्छापत्र — 30/– रुपये
6 कुछ प्रश्न : अब्दुल–बहा द्वारा दिये गए उत्तर — 200/– रुपये

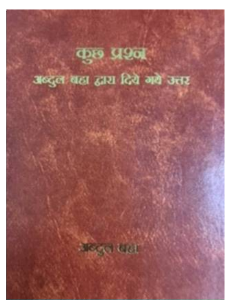
यदि आप दो सौ रुपये से अधिक का ऑर्डर देते हैं तो उस पर कोई डाक खर्च नहीं लगेगा।











अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।

बहाई लिटरेचर एण्ड पब्लिकेशन ट्रस्ट

एफ–3/6, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेस–1 नई दिल्ली – 110020

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
New Delhi P.S.O. Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23

अब्दुल बहा के स्वर्गारोहण की शताब्दी के अवसर पर कहानी जो अब्दुल बहा ने कही

उसने सच्चाई से मुँह नहीं मोड़ा

ओ तुम ईश्वर के शहर और उसकी भूमि पर उसके प्रियजनों! यह प्रताड़ित तुम्हारे लिए ईमानदारी और पवित्रता आदेशित करता है। वह शरीर धन्य है जो इनके प्रकाश से प्रकाशित है। इनके द्वारा मनुष्य का पद उन्नत होता है और समस्त सृष्टि के समक्ष सुरक्षा के दरवाजे खुल जाते हैं।"

–बहाउल्लाह

सम्मानित अली अकबर तबरीज के सौदागर थे। अजरबैजान में अपने जानने वालों से उन्हें अत्यधिक सम्मान प्राप्त था। वह अपने संत स्वभाव, विश्वासपात्रता, पवित्रता और दृढ़ आस्था के लिए जाने जाते थे। तबरीज के सभी लोग उनकी उत्कृष्टता को स्वीकार करते थे और उनके चरित्र, उनकी जीवन शैली, उनके गुणों और उनकी प्रतिभा की प्रशंसा करते थे। वह प्रारंभिक अनुयायियों में विशिष्ट थे।

........दुष्ट लोगों के अत्याचार के कारण उन्हें पीड़ायें झेलनी पड़ीं और हर दिन उन पर नई विपदायें आईं। फिर भी वह उनसे उदास और जरा भी हतोत्साहित नहीं हुए। इसके विपरीत उनकी आस्था उनकी दृढ़ता और आत्मत्याग और भी अधिक बढ़ता ही गया। अंततः उन्हें अपनी मातृभूमि छोड़नी पड़ी। अपने परिवार के साथ वे एड्रियानोपल पहुँचे। आर्थिक तंगी के बावजूद वह संतुष्ट थे और अपना जीवन सम्मानपूर्वक ईश्वर को धन्यवाद देते हुए बिता रहे थे।

अंततः उन्होंने एड्रियानोपल से बिक्री योग्य कुछ सामान खरीदा और लेकर अपने जीविकोपार्जन के लिए जुम्मेह बाजार निकल पड़े। उनके पास बहुत ही सस्ती–सस्ती चीजें थी, लेकिन उन्हें भी चोरों ने चुरा लिया। जब फारसी वाणिज्य दूत को यह बात मालूम हुई तो उन्होंने सरकार के सामने उन चोरी हुई वस्तुओं के मूल्यस्वरूप भारी रकम के लिए अपील की। संयोगवश चोर पकड़े गये। उनके पास काफी राशि भी थी। यह निर्णय लिया गया कि इस मामले की छानबीन करनी चाहिये। वाणिज्य दूत ने अली असगर को बुलाया और कहा कि इन चोरों के पास काफी धनराशि भी है। अपनी रिपोर्ट में मैंने सरकार को लिखा है कि आपकी चोरी हुई चीजों का मूल्य बहुत ज्यादा है। अतः, आपको कोर्ट में इस बात को प्रमाणित करना होगा कि जो मैंने लिखा है वह सही है।

हाजी ने उत्तर दिया, "सम्माननीय खान, मेरी चोरी हुई चीजों का मूल्य बहुत थोड़ा था। मैं भला कैसे उस बात को कह दूँ जो सच नहीं है? जब वे मुझसे प्रश्न करेंगे तो मैं जो सही है उसे ही प्रमाणित करूँगा। इसे मैं अपना कर्त्तव्य मानता हूँ।"

वाणिज्य दूत ने कहा "हाजी, यह एक सुनहरा मौका है; हम दोनों को ही इससे लाभ हो सकता है। पूरे जीवन में अपने लिए एक बार आने वाले इस अवसर को जाने न दो।"

हाजी ने कहा, "खान, मैं ईश्वर के साथ कैसे धोखा करूँगा? मैं सिर्फ सत्य कहूँगा और सत्य के सिवा कुछ नहीं कहूँगा।"

वाणिज्य दूत अली असगर को धमकाने लगा। वह चिल्लाने लगा "क्या तुम मुझे झूठा बनाना चाहते हो? क्या तुम मुझे हास्य का विषय बनाना चाहते हो? मैं तुम्हें जेल में डाल दूंगा, मैं तुम्हें देशनिकाला दिलवा दूंगा। तुम्हें कोई भी यंत्रणा देने से चूकूंगा नहीं। इसी समय मैं तुम्हें पुलिस के सुपुर्द कर दूंगा और उन्हें बताऊँगा कि तुम राज्य के शत्रु हो और वे तुम्हें हथकड़ी पहनकर फारस की सीमा पर ले जाकर छोड़ देंगे।"

हाजी सिर्फ मुस्कुराये और बोले, "खान महोदय, मैंने अपना जीवन सत्य के लिए न्योछावर कर दिया है। मेरे पास अब कुछ नहीं है। आप मुझे झूठ बोलने और झूठी गवाही देने के लिए कह रहे हैं। मेरे साथ जो भी करना चाहते है, करें, लेकिन जो सही है उससे मैं अपना मुँह नहीं मोड़ूँगा।"

जब दूत ने देखा कि अली असगर को झूठे प्रमाण के लिए शामिल करने का कोई रास्ता नहीं है तो उसने कहा, "अच्छा होगा कि तुम इस जगह को छोड़ दो ताकि मैं सरकार को सूचित कर सकूँ कि चोरी हुए सामान का मालिक नहीं मिल रहा है, कहीं चला गया है, नहीं तो मुझे अपमानित होना पड़ेगा।"

हाजी एड्रियानोपल लौट गये और अपनी चीजों के चोरी हो जाने के विषय में एक शब्द भी नहीं बोले। यह घटना जब सार्वजनिक हो गई तब लोगों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा।

ईमानदारी और शुद्ध आचरण की सीख

गुरुग्राम में किशोर पुस्तक का अध्ययन

हरियाणा के गुरुग्राम में हाल ही में तीन दिनों का प्रशिक्षण अभियान चलाया गया, जिसमें अलग–अलग जगह से मित्रगण शामिल हुए। दिल्ली, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश से आये मित्रों ने इस तीन दिन के अभियान में किशोरों की नई पुस्तक 'प्रेक्षण और अंतर्दृष्टि' का अध्ययन



पूर्ण किया। इसी दौरान 60 किशोरों और 25 युवाओं के घरों का भ्रमण किया गया। 24 नई प्रार्थना सभाओं को शुरू किया गया। 11 परिवारों के समूह शुरू करने पर भी चर्चा की गई। किशोरों और युवाओं के माता–पिता की प्रतिक्रिया काफी अच्छी देखने को मिली। वे चाहते हैं कि इस तरह की पुस्तक का अध्ययन उनके साथ भी किया जाये।

बहाई विश्व केन्द्र में सेवा के अवसर

जैसे–जैसे दुनिया के हर भाग में प्रभुधर्म के कार्य फैलते जा रहे हैं वैसे–वैसे बहाई विश्व केन्द्र की प्रभावशाली कार्यविधि का महत्व बढ़ता जा रहा है। प्रभुधर्म के विश्व केन्द्र का वर्णन शोगी एफेंदी द्वारा कुछ इन शब्दों में किया गया है : विश्व केन्द्र "नई विश्व व्यवस्था की एजेंसियों की धुरी है," यह विविध देशों से आये अनुयायियों के निरन्तर प्रवाह से सम्बलित है, जो निःस्वार्थ भाव से सेवा की एक निश्चित अवधि के लिये आते हैं, जो अवधि भिन्न–भिन्न हुआ करती है। विश्व केन्द्र में स्टॉफ की ज़रूरत विभिन्न कामों के लिये होती है, जो उपलब्ध संसाधनों और बढ़ती हुई ज़रूरतों के आधार पर निर्भर करते हैं। किसी ख़ास समय में सुयोग्य और प्रशिक्षित व्यक्तियों की ज़रूरत होती है। तो किसी अन्य समय में सामान्य काम–काज के लिये ज़रूरत होती है। विश्व केन्द्र में सेवा की प्रकृति के कारण 12 महीने या अधिक समय के लिये यह ज़रूरत पड़ती है। इच्छुक व्यक्ति को अंग्रेजी का ज्ञान होना चाहिये।

बहाई विश्व केन्द्र में सेवा की अवधि के बारे में अधिक जानकारी के लिए कार्मिक विभाग से serve@bwc.org पर सम्पर्क करें। सेवा देने के लिए हमारी नई वेबसाइट https:/service.bwc.org/ पर भी अपने आवेदन जमा किए जा सकते हैं।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO New Delhi on 10/11.09.2021
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)